SHRI SURESH KALMADI; We "wanto to know from the Minister as to exactly what happened.

SHRl JAGESH DESAI (Maharashtra): Madam It is a very serious matter.

Need for a Crash Programme to Eradicate Malaria from Gujarat

श्री छोटूभाई सुखाभाई पटेल (गुजरात) रेस्पेक्टेड चेयरपरसन, गुजरात में इस साल मलेरिया का बहुत ज्यादा प्रभाव बढ़ गया है। उसके बारे में आपके माध्यम से सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूं। वैसे हमारे देश में 42.5 करोड़ लोग मलेरियाग्रस्त हैं और 36.5 करोड़ लोगों में उसका विस्तार है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान हमारे गुजरात राज्य में डेंगू, फ़ालसीमेरेरस और इस प्रकार की जो दूसरी बीमारी फ़ैल रही है, उसके बारे में ध्यान खींचना चाहता हूं। इस साल हमारे गुजरात में करीब पांच सौ से ज्यादा लोगों की मृत्यु इस फ़ीवर से हुई है।

उपसभापति . स्वास्थ्य मंत्री जी बैठे हैं।

श्री छोटूभाई सुखाभाई पटेल : यह खुशी की बात है कि इस समय सदन में स्वास्थ्य मंत्री जी हाजिर हैं।

तो करीबन अहमदाबाद डिस्ट्रिक्ट, सुरेन्द्र नगर, भावनगर, सूरत, साबरकांठा इन सरे जिलों में मलेरिया का प्रभाव है। इसके बारे में हमारी गुजरात सरकार काफ़ी कोशिश कर रही है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जो कंसर्न मिनिस्टर है वे काफ़ी कोशिश कर रहे हैं, वे सीरियसली वर्क कर रहे हैं। लेकिन जो रेलेवेंट आफ़िसर हैं, कन्सर्न आफिसर हैं बिमारी की तरफ़ उनका कोई कन्सर्न नहीं है, वे डयूटी कांसेस नहीं हैं और इस मामले में काफ़ी गिरावट आई हैं और जो उन्हें करना चाहिये वे वह तेजी से नहीं कर रहे हैं। इस संबंध में मैं आपके जरिये सरकार के सामने एक एजोपल देना चाहता हूं। 3 जून, 1988 को मैंने डिस्ट्रिक्ट हेल्थ आफ़िसर को मिनिस्टर के जरिये एक डिस्ट्रिक्ट के एक गांव में सैंपल सर्वे के बारे में सुझाव दिया था। लेकिन अभी तक वह सैंपल सर्वे नहीं हुआ है। साउथ गुजरात से लेकर नार्थ गुजरात तक इस मलेरिया का प्रभाव बढ़ गया है और सारा गुजरात इससे चिंतित है। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि इस बीमारी का तुरन्त इलाज किया जाय और इस बीमारी के लिये जो टेबलेट और पाउडर होता है उसका ज्यादा से ज्यादा संख्या में गुजरात गवर्नमेंट को दिया जाय और गुजरात को मलेरिया से मुक्त कराने के लिये एक क्रैश प्रोग्राम बनाया जाय। सन् 2000 तक सारे देश में मलेरिया के उन्मूलन के लिये मैं सरकार से एक क्रैश प्रोग्राम बनाने की भी मांग करता हूं। आपने मुझे बोलने के लिये जो समय दिया उसके लिये धन्यवाद।

श्री मोर्जा ईर्शादबेग (गुजरात) . मैं इसमें एसोसियेट करना चाहूंगा। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं। वहां पर इतनी गंभीर बीमारी फ़ैली है लेकिन उस पर जिस गंभीरता के साथ ध्यान देना चाहिये मैं समझता हूं कि उतनी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि एक सेंट्रल टीम वहां भेजी जाय जो स्थिति का निरीक्षण करे और वहां पर जिन भी दवाइयों की आवश्यकता है उनको फ़ौरन उपलब्ध कराया जाय। अभी तक इस तरह की कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

उपसभापति . मंत्री जी, आप क्या इस पर कुछ बोलना चाहेंगे ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री मोतीलाल बोरा) : महोदया, स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से एक एक्सपर्ट टीम भेजी गई है मैं इस बीच अहमदाबाद गया था। वहां पर वहां के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने यह बात मेरे ध्यान में लाई थी। उसके तत्काल बाद, स्वास्थ्य मंत्रालय से एक टीम वहां जा चुकी है। जिन भी दवाओं की जरूरत होगी उनको देने में हम गुजरात सरकार की पूरी तरह से मदद करेंगे।